



आपकी आवाज

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध

■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

महाराष्ट्र में सियासी ड्रामा: अजीत पवार शिंदे-बीजेपी सरकार में हुए शामिल, बने उप मुख्यमंत्री एनसीपी में फूट, अजित पवार ने की बगावत

- ◆ शरद पवार को झटका, एनसीपी के कई अन्य विधायकों ने भी ली मंत्री पद की शपथ
- ◆ 4 साल में तीसरी बार डिटी सीएम बने अजित पवार, 40 विधायकों के समर्थन का किया दावा

एजेसी/मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में रविवार को बड़ा उलटफेर देखने को मिला। शरद पवार की एनसीपी को छोड़कर अजित पवार शिंदे-बीजेपी सरकार में शामिल हो गए। इसके तुरंत बाद उन्होंने दोपहर में उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। अजित पवार राज्य के दूसरे डिटी सीएम बने हैं। इसके साथ ही छान भुजबल ने भी मंत्री पद की शपथ ली। शिंदे कैबिनेट की मौजूदगी में दिलीप वलसे पाटिल, धनंजय मुंडे, हसन मुश्रीफ ने मंत्री पद की शपथ ली। अदिति तटकरे, धर्मराव आग्राम को भी मंत्रिमंडल में जगह मिली। राज्य के नवनिर्वाचित उपमुख्यमंत्री अजित पवार के पुणे दफ्तर के बाहर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। अजित पवार ने 2019 में देवेंद्र फडणवीस के साथ शपथ लेकर उपमुख्यमंत्री बने थे। महज तीन दिन में ये सरकार गिर गई थी। इसके बाद अजित पवार महाविकास आघाड़ी सरकार में दोबारा उपमुख्यमंत्री बने। अब फिर 2023 में तीसरी बार उपमुख्यमंत्री बने हैं।



राजभवन में डिटी सीएम पद की शपथ लेने के बाद अजीत पवार को गुलदस्ता भेंट करते राज्यपाल। साथ में हैं मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे व पूर्व सीएम।

बगावत से एनसीपी के अस्तित्व पर भी खतरा

अजित पवार की इस बगावत के साथ ही एनसीपी को पार्टी के तौर पर भी बड़ा झटका लग सकता है। शरद पवार के पास बचे संख्याबल के असली एनसीपी के तौर पर पहचान बना पाना काफी मुश्किल हो सकता है। यदि अजित पवार एनसीपी पर दावा करते हैं तो शरद पवार के लिए सियासी चुनौती खड़ी हो सकती है और उनके नेतृत्व वाली एनसीपी के अस्तित्व पर भी खतरा पैदा हो सकता है।

विधायकों के समर्थन का दावा किया जा रहा है। हैरत की बात यह है कि शरद पवार के करीबी प्रफुल पटेल, दिलीप वलसे पाटिल भी राजभवन में मौजूद थे। रिपोर्टरों के मुताबिक, अजित पवार ने रविवार को अपने आवास पर बैठक बुलाई, जिसमें उन्होंने अपने समर्थन को परखा। इसके बाद वे राजभवन पहुंच गए, जहां उनके साथ 40 और विधायकों के समर्थन का दावा किया गया। ऐसे में एनसीपी के कुल 53 विधायकों में से एक बड़ा हिस्सा अजित पवार के साथ चला गया है।

अवसर नहीं दिए जाने पर थे असंतुष्ट थे अजित पवार

एनसीपी की राज्य इकाई के प्रमुख के रूप में काम करने का अवसर नहीं दिए जाने के बाद अजित असंतुष्ट थे। अप्रैल 2023 में अजित पवार ने मुख्यमंत्री बनने की वाहता दिखाई थी। उन्होंने कहा था कि मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं और 2024 में वही, अभी भी सीएम पद के दावेदार हैं। उन्होंने इस बात पर भी सवाल उठाए थे कि 2004 में जब एनसीपी की कांग्रेस से ज्यादा सीटें आई थीं, तब पार्टी ने उन्हें सीएम पद देने का मौका गंवा दिया था।

महाराष्ट्र एनसीपी अध्यक्ष जयंत पाटिल ने कहा कि हमारे जो मुख्य सचेतक थे वे वहां जाकर मंत्री हो गए हैं। उनकी जगह हमने जितेंद्र आंबाड को नेता विपक्ष और मुख्य सचेतक नियुक्त करने का निर्णय लिया है। महाराष्ट्र में कांग्रेस, शिवसेना और एनसीपी का जो गठबंधन है हमारी नीति उसमें रहने की है। जो लोग गए हैं उन्होंने पार्टी के खिलाफ निर्णय लिया है। 5 जुलाई को शरद पवार के नेतृत्व में महाराष्ट्र जिले के सभी कार्यकर्ता और नेताओं की बैठक होगी।

शरद पवार बोले... ये गुगली नहीं बल्कि डकैती है

अजित पवार के इस कदम पर शरद पवार ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। जब पत्रकारों ने शरद पवार से पूछा कि क्या ये गुगली है? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि ये गुगली नहीं बल्कि डकैती है। उन्होंने ये भी कहा कि ये कोई नई बात नहीं है। 1980 में मेरे पास 58 विधायक थे, बाद में सारे विधायक पार्टी छोड़ गए और मेरे पास सिर्फ 6 विधायक बचे। मैं उसके बाद पार्टी को मजबूत किया और जो लोग मुझे छोड़कर गए थे वो अपनी-अपनी विधानसभा में हार गए। शरद पवार ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सभी विधायक और वरिष्ठ नेता बैठक करके ये फैसला करेंगे कि बगावत करने वाले विधायकों पर क्या एक्शन लेना है। अजित पवार के इस कदम को विपक्षी एकांत के लिए तगड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि पटना में विपक्षी एकांत में शरद पवार का शामिल होना और रहलू गंधी के साथ मंच साझा करने की बात से एनसीपी विधायक नाशज थे। अजित पवार ने रविवार सुबह इन विधायकों के साथ अपने आवास पर बैठक की और उसके बाद सीधे राजभवन कूच किया।

पीएम मोदी ने खुद लिखा एनसीपी में टूट का स्क्रिप्ट : राजद

पटना। एनसीपी में टूट के बाद बिहार में भी जमकर राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई है। इस प्रकरण पर महागठबंधन के नेता बीजेपी पर निशाना साध रहे हैं। वहीं, बीजेपी इसे महागठबंधन के लिए एक सबक बता रही है। आरजेडी से राज्यसभा सदस्य मनोज झा ने कहा कि पीएम मोदी ही एनसीपी में टूट का स्क्रिप्ट खुद लिखे थे। जेडीयू नेता राजीव रंजन ने इस पर कहा कि हर दल में एक एकनाथ शिंदे को खोजना बीजेपी की सियासत की फितरत है वहीं, इस आरोप पर बीजेपी प्रवक्ता निखिल आनंद ने कहा कि परिवारिक पार्टी के लिए यह एक सबक है। जनता करारा जवाब देगी- जेडीयू महाराष्ट्र प्रकरण पर जेडीयू के राष्ट्रीय सचिव राजीव रंजन ने कहा कि महाराष्ट्र से उत्साहित होकर अगार बीजेपी बिहार में टांग अड़ाने की कोशिश करेगी तो लोकसभा चुनाव में सभी 40 सीटें हार जाएंगी। जनता करारा जवाब देगी। आरजेडी-जेडीयू एकजुट है और साथ है। बीजेपी इसलिए डरी हुई है कि इसकी मुश्किलें बढ़ जाएंगी। 2015 बिहार विधानसभा चुनाव में जिस तरह आरजेडी-जेडीयू के एक होने से बीजेपी की जो हालत हुई थी वह 2024 चुनाव में भी होगी। इन लोगों का खुद का यह निर्णय नहीं है : आरजेडी से राज्यसभा सदस्य मनोज झा ने कहा महाराष्ट्र में नौ मंत्री एनसीपी कोटे से बने। अजित पवार डिटी सीएम बने। इन लोगों का खुद का यह निर्णय नहीं है। श्रद्धाचार के आरोपों में घिरे नेताओं के पीछे जांच एजेंसियों को लगाकर दबाव बनाया गया है।

पटना-दरभंगा समेत तीन राज्यों में एनआईए का छापा, एक गिरफ्तार



एजेसी/पटना

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने रविवार को तीन राज्यों में छापेमारी की। यह छापेमारी गजवा ए हिंद मॉड्यूल के संबंध में हुई। बता दें कि गजवा ए हिंद मॉड्यूल पाकिस्तान से संचालित हो रहा था और बड़ी संख्या में लोग इस मॉड्यूल से जुड़े हुए हैं, इनमें कई भारतीय भी हैं। एनआईए ने पटना में दो जगह, दरभंगा में एक जगह, सुरत और बरेली में भी छापेमारी की। छापेमारी में डिजिटल डिवाइस जैसे मोबाइल फोन, मेमोरी कार्ड, सिम कार्ड और दस्तावेज जब्त किए हैं। **बीते साल गिरफ्तार किया गया था मास्टरमाइंड:** एनआईए ने बीते साल इस मामले का खुलासा किया था। बिहार पुलिस ने बीते साल 14 जुलाई को बिहार के फुलवारी शरीफ से मरगुब अहमद दानिश उर्फ ताहिर नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। इसके आठ दिन बाद एनआईए ने इस मामले की जांच अपने हाथ में ले ली थी। एनआईए ने जनवरी में दानिश के खिलाफ आईपीसी और यूएपीए एक्ट के तहत विभिन्न धाराओं में चार्जशीट दाखिल की थी। **विदेशी युवाओं को भी अपने साथ जोड़कर बनाया कट्टरपंथी:** एनआईए ने बताया कि आरोपी, पाकिस्तान से संचालित गजवा ए हिंद मॉड्यूल का सदस्य है। यह मॉड्यूल का उद्देश्य युवाओं को अपने साथ जोड़कर उन्हें कट्टरपंथी बनाना है। जांच में पता चला कि दानिश व्हाट्सएप पर बनाए गए गजवा ए हिंद ग्रुप का एडमिन था और इसका पेज पाकिस्तान से बनाया गया था। इस ग्रुप में कई भारतीय, पाकिस्तानी, बांग्लादेशी और यमन मूल के लोग जुड़े हुए थे। ये लोग देश में स्लीपर सेल बनाना चाहते थे ताकि आतंकी हमलों को अंजाम दिया जा सके। आरोपी ने सोशल मीडिया पर कई अन्य ग्रुप भी बनाए थे जैसे बांग्लादेशी गजवा ए हिंद और उसमें बांग्लादेश के युवाओं को जोड़ा था।

मुजफ्फरपुर में प्रॉपर्टी डीलर को मारी गोली

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के मनीयारी थाना क्षेत्र के माधोपुर में प्रॉपर्टी डीलर राजीव कुमार सिंह को गोली मार दी गयी। जिसके बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। आनन-फानन में लोग इलाज के लिए निजी अस्पताल ले गए। जहां उनका इलाज गंभीर हालत में चल रहा है। गोलीबारी की सूचना के बाद सदर थाना की पुलिस एक्टिव जंकर हो गई। लेकिन जिस थाना क्षेत्र में गोलीबारी की घटना हुई। उस थाना की पुलिस घटना के करीब 2 घंटे बाद घटनास्थल पर पहुंची। मनीयारी थाना पुलिस की क्राइम होने के बाद में सरकार ने नहीं आना आम लोगों के जेहन में पुलिस के प्रति एक बार फिर कई सवालियों को जन्म दे दिया है।

बिहार में पवन एक्सप्रेस का एक चक्का क्षतिग्रस्त, बड़ा हादसा टला

केटी न्यूज/पटना

वैशाली जिले में आज बड़ा रेल हादसा टल गया है। मिली जानकारी के मुताबिक मुजफ्फरपुर हाजीपुर रेलखंड पर एक बड़ा हादसा होने से उस चक्का बच गया। जब पवन एक्सप्रेस का एक चक्का क्षतिग्रस्त हो गया। रेलखंड के गोरील स्टेशन पर ट्रेन के एक 11 बोगी का एक चक्का क्षतिग्रस्त हुआ। जिसे ट्रेन के ड्राइवर ने किसी तरह दस किलोमीटर दूर खींचकर भगवानपुर स्टेशन तक पहुंचाया। जहां पिछले एक घंटे से ट्रेन रुकी हुई है। जहां ट्रेन के चक्के के मरम्मत का काम किया जा रहा है। बताया

सुपौल में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो लोगों की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

केटी न्यूज/पटना

सुपौल जिले के मरौना अंचल इलाके में रविवार की सुबह तेज बारिश के साथ हुए वज्रपात से दो लोगों की मौत हो गई। मरौना अंचल के नदी थाना क्षेत्र स्थित सिसौनी गांव में वज्रपात से दो लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि वज्रपात की चपेट में आने से दो अन्य लोग भी बुरी तरह से झुलस कर जखमी हो गए। घायलों को ग्रामीणों की मदद से इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल निर्मली में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सकों की निगरानी में दोनों का इलाज चल रहा है। मृतकों की पहचान सिसौनी गांव निवासी 62



वर्षीय मुसहर साह और 50 वर्षीय लखन यादव के रूप में हुई है।

एक साथ खड़े थे सभी: बताया जा रहा है कि बारिश के दौरान दोनों व्यक्ति पास के ही एक दुकान के पास गुमटी के नीचे खड़े थे। इस बीच तेज आवाज के साथ वज्रपात गिरा और वज्रपात की चपेट में चार लोग आ

गए, जिसमें दो लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और दो लोग बुरी तरह से जखमी हो गए। वहीं, इस आपदा को लेकर मृतकों के गांव में कोहराम मच गया है। घटना की सूचना मिलते ही मरौना के प्रभारी सीओ किसलय कुमार सहित प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गईं। दोनों शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मरौना के प्रभारी सीओ किसलय कुमार ने बताया कि वज्रपात से सिसौनी गांव के वाई सात और आठ निवासी दो लोगों की मौत हो गई है, जबकि वज्रपात से झुलसे दो अन्य घायलों को अनुमंडलीय अस्पताल निर्मली भेजा गया है।

यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन से देश और जिले का बढ़ाया मान गाजीपुर के राधेश्याम ने कजाकिस्तान में दिखाया दम, जीता सिल्वर

- ◆ करमपुर स्थित मेघबरन स्टेडियम के प्रशिक्षु खिलाड़ी राधेश्याम इस समय सेना में कार्यरत हैं
- ◆ राधेश्याम बोले- कोच सुरेंद्र प्रताप के दावपेच ने हमें अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार प्वाइंट दिलाया



फिलीपींस, ईरान और अंतिम चक्र में कजाकिस्तान के पहलवान नुरबेक तलबुदीन को हराकर रजत पदक पर कब्जा जमाया। करमपुर स्थित मेघबरन स्टेडियम का प्रशिक्षु

मुख्यालय से डायरेक्टर जनरल की बुलाहट पर राधेश्याम बीच रास्ते से ही उड़ीसा के लिए वापस लौट गए। राधेश्याम ने फोन पर बताया कि यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग द्वारा एशियन ग्रैपलिंग चैंपियनशिप बीते दिनों आयोजित किया गया था। सेना की ओर से भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला तो रजत पदक के साथ लौटा। कोच सुरेंद्र प्रताप के दावपेच ने हमें अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार प्वाइंट दिलाया। पांच मिनट के मिक्सड मार्शल आर्ट्स में डबल और सिंगल लेग अटैक से हमने अच्छे प्वाइंट अर्जित किया। करमपुर स्टेडियम के संरक्षक अनिकेत सिंह ने बताया कि सेना में सम्मानित किए जाने की वजह से राधेश्याम के स्वागत का कार्यक्रम आगे बढ़ा दिया गया। किसान कन्हैया के इकलौते पुत्र राधेश्याम की उपलब्धि से पूरा जन्पद गौरवावित है।

विश्वामित्र हॉस्पिटल

गोलम्बर, बक्सर

लेप्रोस्कोपिक एवं जेनरल सर्जरी

विश्वामित्र हॉस्पिटल

गोलम्बर बक्सर में डा. यूके सिंह व डा. आर के झा के टीम के द्वारा दूरबीन विधी से प्रोस्टेट, जीबी स्टोन, किडनी स्टोन, अपेंडिक्स, हर्निया, बच्चेदानी, बवासीर, पेट में ग्रांट या ट्यूमर, ब्रेस्ट ट्यूमर आदि का सफल ऑपरेशन होगा। अतः अनुरोध है कि दूरबीन विधी द्वारा जरूरतमंद मरीजों को विश्वामित्र हॉस्पिटल गोलम्बर बक्सर स्थित मेजने में आप सब सहयोग करें।

राजीव कुमार झा

विश्वामित्र हॉस्पिटल
गोलम्बर, बक्सर

मो. : 9122950441



जीयर स्वामी

उपदेश सुनने तथा ज्ञान प्राप्त करने की सार्थकता तभी है जब उसे जीवन में उतारा जाए।

खबरें फटाफट

वाणावर में श्रावणी मेला उद्घाटन आज

जहानाबाद। जिले के मखदुमपुर प्रखंड के ऐतिहासिक वाणावर पहाड़ में सोमवार को श्रावणी मेला का उद्घाटन किया जाएगा। जिलाधिकारी रिची पांडेय पहाड़ी इलाका के पाताल गंगा इलाके में विधिवत पूजा के साथ मेले का उद्घाटन करेंगे। मेले को लेकर पहाड़ी इलाका के पातालगंगा, गऊघाट, हथियाबोर बावन सौदिया समेत कई जगहों पर दुकानें सजने लगी हैं। वहीं इस बार मलमास होने के कारण मेला का आयोजन 2 माह तक रहेगा। जिससे दुकानदारों को अच्छी कमाई होने का अनुमान दिख रहा है। बीडीओ प्रभाकर सिंह ने बताया कि वाणावर श्रावणी मेले का उद्घाटन सोमवार को जिला अधिकारी रिची पांडेय समेत जिलाधिकारी करेंगे। मेला को लेकर मेला क्षेत्र में पेयजल, लाइट, शौचालय, स्नानघर समेत कई सुविधा बहाल किए गए हैं। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी ना हो इसके लिए मंदिर जाने वाले तीनों रास्तों पर लाइट लगाए गए हैं। वहीं मेला परिसर में तीन स्वास्थ्य केंद्र बनाए गए हैं। जहां सभी तरह की चिकित्सकीय सुविधाएं दिए जाएंगे। मेला में पोलोथिन थर्मामीटर का उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा। वहीं, श्रद्धालुओं को मंदिर में अर्धा सिरस्टम के माध्यम से जलाभिषेक कराया जाएगा। बताते चलें कि जिले के ऐतिहासिक वाणावर पहाड़ स्थित बाबा सिद्धनाथ मंदिर है। जहां प्रत्येक वर्ष श्रावणी मेले का आयोजन किया जाता है। जहां मेले में हर वर्ष लाखों की संख्या में पूरे बिहार से श्रद्धालु आते हैं। एवं पहाड़ की चोटी पर स्थित बाबा सिद्धनाथ मंदिर में जलाभिषेक किया करते हैं।

टनका गिरने से किसान की मौत, मचा कोहराम

जहानाबाद। दो दिनों से जिले से रुक-रुक कर लगातार बारिश हो रही है। शनिवार की शाम जिले में पाली थाना क्षेत्र के सैदावा गांव निवासी चंद्रेश्वर चौधरी (60 वर्ष) खेत देखने के लिए बघार जा रहे थे। तभी अचानक उनके ऊपर टनका गिर गया। जिसके कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही उनके परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। टनका गिरने के कारण चंद्रेश्वर चौधरी गंभीर रूप से झुलस गए। जिन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार जनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों का कहना है कि चंद्रेश्वर चौधरी मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करते थे और खेती बाड़ी का काम करता था। लगातार बारिश होने के कारण खेत में धान बुआई के लिए पानी देखने के लिए वे गए थे। तभी अचानक टनका गिर गया जिसके कारण उसकी मौत हो गई। मौसम विभाग के द्वारा अलर्ट जारी किया गया है कि दो दिनों तक जिले में लगातार रुक-रुक कर बारिश और वजपात होगी।

महापुरुषों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन का पर्व है गुरु पूर्णिमा : पं नरोत्तम द्विवेदी

- वेदव्यास के जन्मदिन के रूप में मनाई जाती है गुरु पूर्णिमा
- भारतीय संस्कृति में ब्रह्म से भी बड़ा है गुरु का दर्जा



प. नरोत्तम द्विवेदी

केटी न्यूज/बक्सर

गुरु पूर्णिमा महापुरुषों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन व ऋषि ऋण चुकाने का अवसर है। ऋषियों की प्रेरणा और आशीर्वाद पाने का अवसर है। गुरुजनों, श्रेष्ठजनों एवं अपने से बड़ों के प्रति अगाध श्रद्धा का यह वर्ष भारतीय सनातन संस्कृति का विशिष्ट पर्व है। संयम, सहजता, शान्ति और माधुर्य तथा जीवन की दिशा बनाने वाली पूर्णिमा है। गुरु पूर्णिमा आस्था, श्रद्धा व सम्पन्न का पर्व है। ये बातें ज्योतिषाचार्य पंडित नरोत्तम द्विवेदी ने कही। उन्होंने बताया कि इसलिए शिष्य वर्ग में गुरु को परब्रह्म के समकक्ष माना गया है। व्यासजी ज्ञान



के अगाध सागर थे। इसीलिए ऐसे अगाध ज्ञान के सागर के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने हेतु उनके जन्म दिवस पर गुरु पूर्णिमा (व्यास पूर्णिमा) का पर्व हम सब मनाते आ रहे हैं।

परमात्मा का आदर ही ज्ञान का पूजन

ज्योतिषाचार्य पंडित नरोत्तम द्विवेदी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा अर्थात् सद्गुरु के पूजन का पर्व। गुरु की

पूजा, गुरु का आदर किसी व्यक्ति की पूजा नहीं है, व्यक्ति का आदर नहीं है अपितु गुरु की देह के अंदर जो विदेही आत्मा है, परब्रह्म परमात्मा है, उसका आदर है। ज्ञान का आदर है। ज्ञान का पूजन है। उस ब्रह्म ज्ञान का पूजन है।

वेदव्यास के जन्मदिन रूप में मनाई जाती है गुरुपूर्णिमा

ज्योतिषाचार्य पंडित नरोत्तम द्विवेदी ने बताया कि गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहते हैं। विशिष्ठ जी महाराज के पौत्र पराशर ऋषि के पुत्र वेदव्यासजी का जन्म आषाढ़ की पूर्णिमा को हुआ था। व्यासदेवजी

गुरुओं के भी गुरु माने जाते हैं। व्यासजी ने वेदों का विस्तार किया इसलिए उनका नाम वेदव्यास पड़ा। ज्ञान के असीम सागर, भक्ति आचार्य में विद्वता की पराकाष्ठा और अशाह कवित्व शक्ति थी उनके पास। इनसे बड़ा कोई कवि मिल्ना मुश्किल है।

17 पुराणों का प्रतिपादन व्यासजी ने किया

ज्योतिषाचार्य पंडित नरोत्तम द्विवेदी ने कहा कि व्यासजी ने वेदों के विभागीय किए। ब्रह्म सूत्र व्यासजी ने ही बनाया। पाचवां वेद महाभारत भक्ति ग्रन्थ भागवत पुराण एवं अन्य 17 पुराणों का प्रतिपादन भी

व्यासजी ने किया। विश्व में जितने भी धर्मग्रंथ हैं, फिर वे चाहे किसी भी धर्म-पंथ के हों, उनमें अगर कोई सात्त्विक और कल्याणकारी बातें हैं तो सीधे-अनसीधे भगवान वेदव्यासजी के शास्त्रों से ली गयी हैं। इसीलिये व्यासोच्छिष्ट जगत्सर्व कहा गया है। व्यासजी ने पूरी मानवजाति को सच्चे कल्याण का खुला रास्ता बता दिया है। व्यासजी के शास्त्र-श्रवण के बिना भारत तो क्या विश्व में भी कोई अलौकिक उपदेशक नहीं बन सकता। गुरु सर्वेश्वर का साक्षात्कार करवाकर शिष्य को जन्म-मरण के बन्धन से मुक्त कर देते हैं। अतएव संसार में गुरु का विशेष महत्त्व का है।

ओह! चिकित्सकीय लापरवाही में बेमौत मारी गई महिला पुलिस कांस्टेबल

- टाउन थाना क्षेत्र के महावीर टोला स्थित निजी अस्पताल की रविवार सुबह की घटना
- ऑपरेशन थियेटर में ले जाने के बाद महिला सिपाही की हुई मौत
- पति बोला-डॉक्टर द्वारा हार्ट अटैक के कारण मौत होने की कही जा रही बात
- डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगा रहे परिजन
- बोर्ड गठित कर कराया शव का पोस्टमार्टम, जांच कर रही पुलिस



मृत महिला सिपाही की फाइल फोटो, सोते विलखते परिजन, पुलिस को आवेदन देते परिजन

के चिकित्सकों को सीधे जिम्मेदार ठहराए हैं। महिला सिपाही के शव का पोस्टमार्टम डॉक्टरों का चार सदस्यीय पैनल किया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट क्या है। फिलहाल इसकी जानकारी नहीं मिली है।

महावीर टोला के उस अस्पताल की चिकित्सक की निगरानी में थी। शनिवार को प्रसव शुरू होने के बाद उन्हें अस्पताल में दाखिल कराया गया। जहां ऑपरेशन की सलाह देते हुए दाखिल कर लिया गया। सुबह आभा को स्लाईन चढ़ाई गई। इंजेक्शन लगाए, उसके बाद उनको ओटी में ले जाया गया। करीब दस मिनट बाद ही पति सुजीत सिंह को संबोधित डॉक्टर बुलाई और बताई कि हार्ट अटैक के कारण आभा की

मौत हो चुकी है।

महिला पुलिस कर्मी को मौत की सूचना के बाद डीएसपी ट्रैफिक और थानाध्यक्ष संजय कुमार सहित कई महिला एवं पुरुष कैस्टेबल अस्पताल पहुंच गए थे। एक महिला सिपाही की मौत में निजी अस्पताल की लापरवाही की शिक्षागत को स्वास्थ्य महकमा गंभीरता से लिया। सिविल सर्जन सुरेश प्रसाद सिंह के निर्देश पर शव के पोस्टमार्टम के लिए डॉक्टरों का पैनल बना। उसमें जितेंद्र कुमार, रवि रंजन, महावीर प्रसाद गुप्ता और

मधुबाला शामिल रहें।

जाहिर है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई होगी। आभा कुमारी साल 2015 में बिहार पुलिस में भर्ती हुई थीं। उनकी पहली पोस्टिंग डेहरी में थी। फिर वहां से उनका ट्रांसफर भोजपुर हुआ था। आभा की मौत से उनकी ससुराल और मायके में कोहराम मच गया है। ससुराल में उनके पति के अलावा ससुरे वधैर हैं जबकि मायके में मां मधुरमा देवी, बहन मीरा कुमारी और भाई विकास कुमार हैं। आभा भाई, बहनों में सबसे बड़ी थीं।

महिला ने मारी सिपाही को लात, पुलिस वालों ने तोड़ दिया पुरुष का दांत

कॉलम - गुरु गरम बा

(गुरु गरम है)। कहां क्या हो रहा है। यह बात बहुत से लोगों को पता नहीं है। कुछ ऐसा भी है जो पत्रकार लिखने से रहे अथवा लिख ही नहीं सकते। क्योंकि उनके पास सच पहुंच भी जाए तो कानूनी पैतरे बाजी है। कौन करेगा पुष्टि। शिक्षायातकर्ता भी अपनी गर्दन बचाना चाहता है। लेकिन, कोई कहे या न कहे गुरु तो छोड़ने वाले नहीं हैं। ऐसा नहीं कि यह किसी को बेआबरु करने की कवायद है। लेकिन, सलीका तो पता सबको चलना चाहिए। क्योंकि अगर कोई रोके टोके नहीं तो फिर यहां दलदली लोचने वाले बहुत हैं। किसी ने कहा है हाथ चले तो बले पर किसी की नाक को नुकसान पहुंचाएगा तो फिर बेहतर नहीं होगा। बात एक थाने की है। महिला को पुलिस वाले थाने में पीट रहे



थे। वहां किसी काम से पहुंचे युवक की नजर उसपर पड़ी तो उसने वीडियो बना डाला। फिर क्या था, पुलिस वालों ने उसका फोन छीना और दिया जोर से एक हाथ। बेचारे का टूट गया दांत। मोबाइल छीना, वीडियो डिलिट किया और वहां से चलता किया। कुछ लोगों ने महिला के बारे में पूछा तो कहा गया। नशे की हालत में थी। थाने लाई गई तो महिला सिपाही को लात मारने लगी। जो रोकने गया उसे गालियां बकने लगी और कहने लगी दिखा देगे ओकात।

आंगन में सो रहे किशोर की पैट में घुस विषैले सांप ने डंसा, पटना जाने के दौरान हुई मौत

केटी न्यूज/आरा

जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र के श्रीपालपुर गांव में शनिवार की देररात विषैले सांप के डंसने से एक किशोर की मौत हो गयी। किशोर घर के आंगन में सो रहा था, तभी कहीं से एक सांप आया और किशोर के पैट में घुस कर उसके प्राइवेट पार्ट में डंस लिया। आननफानन में परिजन उसे इलाज के लिए पटना ले जा रहे थे, लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।



मृतक किशोर गांव के सुखाड़ी साह का 15 वर्षीय बेटा अंशु कुमार बताया जा रहा है। घटना के संबंध में समाज सेवी अनुज कुमार ने बताया कि शनिवार रात खाना खाने के बाद अंशु घर के आंगन में हाफ पैट पहन कर सोया था। देर रात सांप उसके पैट

में घुस गया और उसके प्राइवेट पार्ट में डंस लिया। जिससे उसकी नींद खुल गयी और उसने परिजनों को इसकी जानकारी दी। सांप की बात सुन पहले परिजनों ने सांप को पैट से निकाल कर मार डाला। उसके बाद उन्होंने अंशु को बीरमपुर गांव के एक व्यक्ति पास ले गए। जहां उसे कोई जड़ी पिलाई गई। उसके बाद भी अंशु की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। यह देख परिजन उसे सदर अस्पताल लावा गया। वहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी हालत देखते हुए पटना रेफर कर दिया। पटना जाने के दौरान उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। जिसके बाद उसके शव को सदर अस्पताल लाया। जिसकी सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराया। बताया जा रहा है कि किशोर अपने चार भाई और तीन बहनों में छोटा था। उसके परिवार में बहन श्रीदेवी, पुष्पा, मानती देवी, भाई नितेश, चंदन और जितेंद्र हैं। उसकी मां फूलकुमारी देवी की मौत सात साल पहले बीमारी के कारण हो गई थी।

दस्त से बचाव के लिए अब 15 जुलाई तक खिलाई जाएगी जिंक की गोली, दो करोड़ 5 लाख से ज्यादा ओआरएस पैकेट वितरण का लक्ष्य

राज्य के 26 जिलों में बढ़ाई गई दस्त नियंत्रण पखवाड़ा की अवधि

केटी न्यूज/पटना

प्रदेश में डायरिया के कारण होने वाले शिशु मृत्युदर को शून्य करने के लिए 1 जून से 30 जून तक दो पखवाड़े में दस्त नियंत्रण पखवाड़े का आयोजन किया गया था। राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक संजय कुमार सिंह ने प्रदेश के 26 जिलों के सिविल सर्जन को एक पत्र जारी किया है, जिसमें दस्त नियंत्रण पखवाड़े की अवधि में विस्तार करते हुए इसे 15 जुलाई तक जारी रखने का निर्देश दिया है। ताकि शत प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति की जा सके। डब्ल्यूएचओ और सीडीडीसी के द्वारा बताया गया है कि डायरिया से बचाव काफी आसान है रोटावायरस



वैक्सिन और सुरक्षित जल, स्तनपान और स्वच्छता के द्वारा इसे काफी कम किया जा सकता है। इसे ध्यान

में रखते हुए प्रत्येक साल पांच वर्ष के उम्र तक के बच्चों के बीच दस्त नियंत्रण पखवाड़ा मनाया जाता है।

इस पखवाड़े के दौरान जौरो से पांच साल तक के बच्चों में ओआरएस पैकेट व जिंक के सिरप या टैबलेट का वितरण कर उनके इस्तेमाल के तरीकों को बताया जाएगा। 80 लाख से ज्यादा जिंक के टैबलेट का वितरण का लक्ष्य : पूरे प्रदेश में दस्त नियंत्रण पखवाड़े से लाभांविता होने वाले बच्चों की संख्या करीब 1 करोड़ 84 लाख से ज्यादा है। वहीं इनमें 2 करोड़ 5 लाख 56 हजार 957 ओआरएस के पैकेट तथा 80 लाख से ज्यादा जिंक के टैबलेट का वितरण का लक्ष्य रखा गया है। छोटे गांव व बस्तियां भी प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में दस्त नियंत्रण पखवाड़ा के दौरान समस्त पांच वर्ष की उम्र के बच्चों के साथ

पांच वर्ष की उम्र वाले बच्चे जिन्हें पखवाड़े के दौरान दस्त रोग हुआ हो लक्षित लाभार्थी की श्रेणी में आएंगे। वहीं जिन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गयी है उनमें शहरी झुग्गी झोपड़ी, कठिन पहुंच वाले क्षेत्र, बाढ़ प्रभावित क्षेत्र, छोटे गांव, बस्ती के साथ वैसे क्षेत्र जहां पहले के वर्षों में दस्त के मामले ज्यादा आए हो या जहां साफ सफाई व साफ पानी की आपूर्ति एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी हो। स्वास्थ्यकर्मी अभिभावकों को समझाएंगे ओआरएस बनाने की विधि : राज्य स्वास्थ्य समिति द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि डायरिया के दौरान ओआरएस और जिंक का

प्रयोग जीवन रक्षक का कार्य करता है। ऐसी स्थिति में प्रत्येक बच्चे को एक एक पैकेट ओआरएस और जिंक के टैबलेट का वितरण किया जाएगा। वहीं ओआरएस को स्वास्थ्यकर्मी बच्चों के अभिभावक को उसके बनाने की विधि भी समझाएंगे। जिन 26 जिलों में दस्त नियंत्रण पखवाड़ा की अवधि 15 जुलाई तक की गयी है उसमें गोपालगंज, सहरसा, मधुबनी, शिवहर, जहानाबाद, अरवल, शेखपुरा, बेतिया, दरभंगा, कैमूर, भागलपुर, कटिहार, लखीसराय, भोजपुर, बक्सर, पटना, नवादा, गया, रोहतास, औरंगाबाद, जमुई और मुंगेर शामिल है।

भारत जोड़ो यात्रा की तर्ज पर जहानाबाद जिले में शुरू होगी कांग्रेस जोड़ो यात्रा : गोपाल शर्मा

केटी न्यूज/जहानाबाद

जिला कांग्रेस कमिटी की मासिक समीक्षात्मक बैठक कांग्रेस कार्यालय में सम्पन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा ने किया। बैठक में संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि जन जन के नेता राहुल गांधी ने जिस प्रकार भारत जोड़ो यात्रा की है, उसी प्रकार जहानाबाद जिले में भी कांग्रेस की जिला कमिटी के द्वारा जल्द ही रोड मीप तैयार कर कांग्रेस जोड़ो यात्रा की शुरुआत की जायेगी। ताकि हम फिर से आम जनता के बीच कांग्रेस का विश्वास जगा सके और बताएँ की आज किस तरह भाजपा के लोग राष्ट्र की अर्जित संपत्ति को लूट खसोट करने में लगी है। कांग्रेस वही पार्टी है, जिसने अंग्रेजों से लड़ने में अहम भूमिका निभाई थी और आजादी के बाद भारत को संवर्धने में वर्षों गुजारा और अब जनता के बीच में हमें ही गुनाहगर बताया जा रहा है। बैठक में मुख्य रूप से प्रखंड अध्यक्षों को निर्देशित किया गया है कि जल्द से जल्द कमिटी का विस्तार करें और क्षेत्र में जनता से जुड़े समस्याओं को उजागर करें। वहीं प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को जिले में मासिक बैठक करना सुनिश्चित किया गया।





महात्मा गांधी

जिज्ञासा के बिना ज्ञान नहीं होता और दुःख के बिना सुख नहीं होता।

बक्सर आसपास

खबरें फटाफट

सड़क दुर्घटना में युवक जख्मी, हालत गंभीर

डुमरांव। रविवार को नया भोजपुर ओपी थाना क्षेत्र अंतर्गत पनपच 922 पर चंदा गांव के पास एक कार की चपेट में आने से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया है। जख्मी युवक की पहचान स्थानीय चंदा गांव निवासी भरत लाल के 27 वर्षीय पुत्र विनय कुमार के रूप में हुई है। जिसे स्थानीय निवासियों तथा सामाजिक कार्यकर्ता कृष्णा शर्मा के सहयोग से इलाज के लिए जिला मुख्यालय स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचाया गया। बताया जाता है कि इस दुर्घटना में उसका एक पैर टूट गया है। वही दुर्घटना को अंजाम देने के बाद कार चालक अपना वाहन छोड़ फरार हो गया है। ग्रामीणों द्वारा इसकी सूचना नया भोजपुर ओपी पुलिस को भी दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस कार को जकड़ कर जांच पड़ताल में जुट गई है।

जहर खाकर महिला ने की आत्महत्या

नावानगर। सिकरौल थाना क्षेत्र के दीवान के बड़कागांव की एक महिला ने परिवारिक कलह से तंग आकर जहर खाकर आत्महत्या कर ली। जहर खाने की जानकारी मिलते ही परिवारियों ने उसे आनन-फानन में बक्सर सदर अस्पताल लाया। जहां डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति में महिला का इलाज शुरू किया। लेकिन इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। मृतक महिला की पहचान बड़कागांव निवासी अमृता सिंह के रूप में की गई।

10 लीटर महुआ शराब बरामद

कृष्णाबद्ध। कृष्णाबद्ध पुलिस ने गुरु सूचना पर थाना क्षेत्र के अरियाव गांव के अनुसूचित जाति बस्ती में छापेमारी कर एक घर से 10 लीटर महुआ शराब बरामद किया है। हालांकि पुलिस को देखते ही तस्कर फरार हो गया। पुलिस ने उसकी पहचान कर ली है। थानाध्यक्ष सतीश कुमार ने इस संबंध में बताया कि फरार तस्कर की पहचान मोती मुसहर के रूप में की गई है।

आपराधिक वारदातों को रोकने के लिए थाने में कराई गई चौकीदारों की परेड

- ◆ चौकीदारों को भयमुक्त हो अपराध नियंत्रण व तस्करों रोकने के लिए मुश्तैद रखने की मिली नसीहत
- ◆ आपराधिक गतिविधियों पर नजर बनाए रखने का निर्देश

केटी न्यूज/डुमरांव

रविवार को डुमरांव थाने में थाना क्षेत्र के सभी चौकीदारों की परेड करवाई गई। परेड की अध्यक्षता थानाध्यक्ष विदेश्वर राम ने किया। चौकीदारों के इस परेड का उद्देश्य गांवों में शराब तस्करी रोकने तथा अपराधिक घटनाओं पर लगाम लगाने के उद्देश्य से किया गया था। परेड के दौरान थानाध्यक्ष विदेश्वर राम ने सभी को



आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। चौकीदारों को नसीहत देते हुए उन्होंने कहा कि सभी लोग अपने-अपने क्षेत्र में शराब तस्करी और अपराधिक गतिविधियों पर नजर बनाए रखें

तथा ऐसा कुछ संदिह होने पर थाने को जरूर सूचना दें। थानाध्यक्ष ने चौकीदारों को भयमुक्त हो तथा बिना किसी लोभ व दबाव के अपना काम करने की सीख दी। उन्होंने

कहा कि शराब तस्करी के जोरो टालेरस की नीति को तभी सफल बनाया जा सकता है जब चौकीदार पूरे मन से अपने कर्तव्य का निर्वहन करें।

गांव के थानेदार हैं चौकीदार-थानाध्यक्ष: थानाध्यक्ष ने चौकीदारों को उनकी भूमिका याद दिलाते हुए कहा कि आप ही गांव के असल थानेदार हैं। आपके बिना तस्करी व अपराधिक घटनाओं को रोकना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि गांव में रहने के कारण चौकीदारों को सभी तरह के गैर कानूनी चहलकदमी की जानकारी होती है। यदि समय रहते उसकी सूचना थाना तक पहुंच जाए तो अपराधी व तस्कर कभी अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सकते हैं। थानाध्यक्ष ने चौकीदारों को पुलिसिंग का बेस और मजबूत कड़ी बताते हुए उन्हें हर समय सजग व सचेत रहने को कहा।

लारवाही बरतने वाले चौकीदारों पर गिरेगी गाज

वहीं उन्होंने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर किसी प्रकार की लापरवाही की जाती है तो उनपर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि चौकीदारों की गतिविधियों पर भी नजर रखी जाती है। बेहतर करने वाले चौकीदारों को पुरस्कृत किया जाएगा। बता दें कि रविवार को चौकीदारों की थाने पर परेड आयोजित की गयी थी, जिसमें पुलिस अधिकारियों द्वारा चौकीदारों को कई दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि शराब व शराब तस्करी को रोकने में ग्राम चौकीदार की भूमिका अहम है, क्योंकि गांव स्तर पर उन्हें हर जानकारी रहती है। इसलिए आप सभी सक्रिय हो जायें तथा अपने-अपने क्षेत्रों में शराब व तस्करी की सूचना हासिल करें। पुलिस को सूचना दें छापामारी करा

गिरफ्तारी कराये तभी शराब तस्करी पर अंकुश लग सकती है। वहीं अपराधी व कई वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी जरूरी है। जिम्मेवारी निभाते हुए इसकी जानकारी इकट्ठा करें ताकि गिरफ्तारी बढ़े। गौरतलब है कि आज भी गांव में शराब मिल रही है। चोरी-छिपे तस्करी कर शराब की खेप गांवों तक पहुंच रही है। इस मामले में भी कई ऐसे वांछित तस्कर भी गांव में घूम रहे हैं। पुलिस पदाधिकारियों ने सभी चौकीदारों को निर्देशित करते हुए कहा कि शराब व तस्करी के अलावा कई ऐसे फरारी व अपराधी किस्म के लोगों को सूचना भेजे, जिससे उनकी गिरफ्तारी हो सके। इस परेड में चौकीदारों के अलावा कई पुलिस पदाधिकारी भी मौजूद थे।

जेनरल स्टोर दुकान की आड़ में हो रही थी मादक पदार्थों की तस्करी नावानगर में नौ किलो गांजा के साथ सहोदर भाई समेत चार लोग गिरफ्तार

केटी न्यूज/नावानगर

सोनवर्षा ओपी पुलिस ने रविवार को गुप्त सूचना पर महादेवगंज स्थित एक जेनरल स्टोर की दुकान में छापेमारी कर 9 किलोग्राम से अधिक गांजा के साथ चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों में दो सहोदर भाई हैं। जो जेनरल स्टोर दुकान की आड़ में गांजा का कारोबार करते थे। इधर गिरफ्तार गांजा कारोबारियों से पुलिस पूछताछ में जुटी हुई है। बताया जाता है कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि डिहरी गांव निवासी दो भाई सुनील कुमार सिंह एवं सुधीर कुमार महादेवगंज स्थित अपने जेनरल स्टोर के दुकान की आड़ में गांजा का कारोबार करते हैं।

पुलिस ने इस सूचना की पुष्टि के लिए अपने मुखबिरो को लगाया। जब सूचना पक्की निकली तो सोनवर्षा ओपीधक्ष के नेतृत्व में पुलिस बल ने चिन्हित दुकान पर छापेमारी किया। छापेमारी में दुकान से 3 किलो 890 ग्राम गांजा बरामद हुआ। गांजा बरामद होने के बाद पुलिस ने दुकान संचालन करते दोनों भाई को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही दोनों कारोबारी से पूछताछ करने लगे। पूछताछ के बाद गिरफ्तार दोनों कारोबारी के निशानदेही पर पुलिस ने महादेवगंज में दूसरे स्थान पर छापेमारी की। जहां से साढ़े पांच किलोग्राम के साथ दो कारोबारी को घर दबोचा गया। इस तरह 9 किलो 390 ग्राम गांजा के साथ चार कारोबारी



को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बरामद गांजा की कीमत लाखों रूप है। इस संबंध में सोनवर्षा ओपीधक्ष सुनील कुमार ने बताया कि अलग-अलग जगह से 9 किलो 390 ग्राम गांजा के साथ चार तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। चारों से पूछताछ कर उनके नेटवर्क को खंगला जा रहा है।

गांजा बरामद होने के बाद महादेवगंज में हतप्रभ थे लोग

जेनरल स्टोर की दुकान पर पुलिस की छापेमारी तथा वहां से भारी मात्रा में गांजा बरामद होने के बाद महादेवगंज के ग्रामीण हतप्रभ थे। ग्रामीणों का इस बात का तनिक भी

धान नहीं था कि जेनरल स्टोर की दुकान की आड़ में दोनों भाई मादक पदार्थों की तस्करी करते हैं। ग्रामीण सूत्रों की मानें तो उनकी पहचान एक सीधे सादे व्यवसायी के रूप में थी। लेकिन रविवार को पुलिस की छापेमारी के बाद उनका दोहरा चरित्र उजागर हो गया। जिसके बाद लोगों में चचाओं का बाजार तेज हो गया। लोग कई तरह की बातें कर रहे थे। वही अधिकश लोगो को इस बात पर भरोसा नहीं हो रहा था कि वे जेनरल स्टोर की आड़ में गांजा का व्यवसाय कर रहे थे। हालांकि पुलिस की छापेमारी के बाद सबकुछ साफ हो गया था।

पूरे गिरोह को खंगाल रही है पुलिस: वहीं पुलिस सूत्रों की मानें तो तस्करों की गिरफ्तारी के बाद उनसे पूछताछ के आधार

चौसा-बक्सर मार्ग पर अज्ञात वाहन के धक्के से वृद्ध की मौत, लोगों में आक्रोश

चौसा। रविवार को चौसा-बक्सर मुख्य मार्ग पर किसी अज्ञात वाहन के धक्के से एक 73 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई है। मृतक अर्जुन चौधरी मुफ्तसिल थाना क्षेत्र के रामजिवावन गंज के रहने वाले थे। हालांकि उन्हें धक्का मारने वाले वाहन की पहचान नहीं हो सकी है। वहीं इस बात की जानकारी भी नहीं मिल पाई है कि वे कहाँ जा रहे थे। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिसल थाने की पुलिस शव को कब्जे में परिजनों को इस मनहूस घटना की सूचना दी। समाचार लिखते जाने तक पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज रही थी। घटना के बाद से ही परिजनों का रो रोकर बुरा हाल था। वहीं उनमें बेलेगाम परिचालन के प्रति भी गहरा आक्रोश देखा गया।

पर उनके पूरे नेटवर्क को खंगाला जा रहा है। पुलिस इस बात का पता भी लगा रही है कि उनके पास गांजा की खेप कहाँ से आई थी तथा उसकी डिलिवरी कहाँ होने वाली थी। सूत्र बताते हैं कि तस्करों की गिरफ्तारी के बाद बहुत जल्द ही उनका पूरा गिरोह पुलिस की जद में होगा।

राजपुर चौकीदार पुत्र हत्याकांड में दो और हथियार बरामद

◆ दो आरोपियों की तलाश जारी अब तक चार असलहे जप्त

केटी न्यूज/बक्सर

राजपुर थाना के देवढिया गांव में हुई टुनटुन पासवान की हत्या मामले में पुलिस को एक और सफलता मिली है। गिरफ्तार आरोपियों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने दो और हथियार बरामद किए हैं। जिसमें एक देशी पिस्टल व कट्टा शामिल है। एसपी मनीष कुमार के अनुसार रविवार को संबंधित थाने की टीम ने खेत में छिपाकर रखा असलहा बरामद किया। देशी कट्टे के साथ सात तथा पिस्टल के साथ नौ जिंदा कारतूस मिले हैं। यह बरामदगी

हत्याकांड के आरोपी लालजी राम से हुई पूछताछ के आधार पर की गई। शनिवार को जब आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद प्रेस वार्ता हुई थी। उस दौरान भी एक देशी तमंचा व पिस्तौल मिली थी। अब तक इस कांड में कुल चार हथियार बरामद हो चुके हैं। छह लोग गिरफ्तार किए गए हैं। दो लोग अभी भी फरार चल रहे हैं। जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापामारी कर रही है। पाठकों को हम बता दें कि 29 जून की रात देवढिया गांव में रात साढ़े दस बजे के लगभग चौकीदार बिरजू पासवान के घर सात आठ लोगों ने धावा बोल दिया था। इस दौरान टुनटुन पासवान की हत्या कर दी गई। उसके दो पुत्रों भी घायल हुए थे।

आकाशीय बिजली ने ली अघेड़ की जान, पसरा मातम

◆ बक्सर जिले में लगातार तीसरे दिन आकाशीय बिजली गिरने से गई जान

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर थाना क्षेत्र के राजपुर गांव में आकाशीय बिजली ने एक अघेड़ की जान ले ली है। मृतक टुन राजभर उम्र 50 वर्ष राजपुर गांव का ही रहने वाला था। घटना रविवार दोपहर ढाई से पाँच बजे के आस पास की है। जानकारी के अनुसार वह घर सब्जी लेने महाबीर स्थान जा रहा था। इसी दौरान बारिश शुरू हो गई। बारिश के दौरान ही उसके करीब आकाशीय बिजली गिरी जिससे टुन राजभर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में मातम पसर

आकाशीय बिजली गिरने से जले ट्रांसफार्मर के कारण रामपुर में पानी के लिए मचा हाहाकार

केसट। प्रखंड अंतर्गत रामपुर गांव के ग्रामीणों को पिछले तीन दिनों से पेयजल की विकट समस्या का सामना करना पड़ है। पानी के लिए लोग इधर से उधर भटक रहे हैं। विशेष परेशानी दलित बस्ती के लोगों को हो रही है। बता दें कि रामपुर गांव में गुरुवार की रात्रि आकाशीय बिजली गिरी थी। जिसमें गांव का तीन ट्रांसफार्मर जल गया था। उसी दिन से गांव में अंधेरा पसर गया था तथा जलापूर्ति ठप हो गई है। सूचना पाते ही बिजली कंपनी द्वारा दो ट्रांसफार्मरों को लगाया गया तथा ट्रांसफार्मर को हीट दिया गया। जिसमें एक ट्रांसफार्मर तो चालू हो गया परन्तु एक दलित बस्ती का फिर क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं पीपेचईडी विभाग के मिनी पानी टंकी में लगे ट्रांसफार्मर भी उक्त समय जल गया था। लेकिन यह ट्रांसफार्मर अभी तक उसी जगह पर पड़ा है। जिससे पानी टंकी बंद है। इन सभी समस्याओं को लेकर लोगों के समक्ष पेयजल की समस्या उत्पन्न हो गई है।

गया। बता दें कि यह लगातार तीसरा दिन है जब आकाशीय बिजली से किसी की जान गई है। इसके पहले शुक्रवार को डुमरांव थाना क्षेत्र के सुरैधा गांव में बिजली गिरने से

बिजली गिरने से झटका मशीन खराब

केसट। रविवार को आकाशीय बिजली गिरने से केसट भग्ना डेरा निवासी किसान राजू सिंह के खेत में लगे झटका मशीन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। वहीं आस पास के फसल झूलत गए हैं। जिससे पीड़ित किसानों में मायूसी छाई है। ज्ञात हो कि गुरुवार को ही रामपुर में आकाशीय बिजली से एक दुधार पशु की मौत हो गई थी। वहीं तीन ट्रांसफार्मर भी जल गए थे।

की चपेट में आने से 63 वर्षीय संपतिया देवी नामक एक महिला की मौत हुई थी। वहीं रविवार को राजपुर में स्पशाचार्त ने टुन राजभर की जान ले ली है।

डुमरांव में गठित हुई महिला विकास मंच की कार्यसमिति, पम्मी सिंह बनीं अध्यक्ष

महिलाओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ चलेगा आंदोलन: वीणा मानवी

केटी न्यूज/डुमरांव

देशभर में महिलाओं पर अत्याचार बढ़े हैं। इस हाइटेक जमाने में भी बेचियां सुरक्षित नहीं हैं, यह चिंतनीय है। इसके खिलाफ पूरे देश में चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। उक्त बातें महिला विकास मंच की राष्ट्रीय संरक्षिका वीणा मानवी ने रविवार को डुमरांव के एक निजी हाल में कही। वे यहा महिला विकास के एक कार्यक्रम में शामिल होने आई थीं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से महिलाओं की स्थिति में लगातार सुधार हुआ है। आज महिलाएं सभी क्षेत्रों में अपना झंडा बुलंद कर रही हैं। लेकिन यह भी सच है कि उनपर हमले बढ़े हैं।



महिलाओं की सुरक्षा और मजबूत होनी चाहिए। वीणा मानवी ने कहा कि देश में महिला उत्पीड़न पर महिला विकास मंच कार्य कर रही है। जहां भी महिलाओं के साथ उत्पीड़न की घटना होती है, महिला विकास मंच उस को न्याय दिलाने के लिए

पहल करती है। वहीं बतौर मुख्य अतिथि डुमरांव राज के महाराज चंद्रविजय सिंह ने कहा कि आज महिलाएं समाज के सभी क्षेत्रों में पुरुषों से आगे निकल रही हैं। जरूरत है समाज के नजरिए में बदलाव की। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने में पुलिस व सरकार के साथ ही समाज की भी भूमिका है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को सुरक्षित माहौल देना जरूरी है। कार्यक्रम में महिला विकास मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुणिमा, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बक्सर नगर परिषद के उपचेयरमैन प्रतिनिधि रामजी सिंह, डुमरांव के नवनिर्वाचित उप चेयरमैन विकास डुमरांव स्वयं शक्ति के धीरज मिश्र, गाजीपुर महिला

विकास मंच की अध्यक्ष मधु यादव, आरा की जिला अध्यक्ष अंशु गिरी, रोहतास की अध्यक्ष सीमा सिंह, पूनम सलुजा, प्रदेश उपाध्यक्ष चंदन जायसवाल, सरिता समेत महिला विकास मंच से जुड़ी दर्जनों सदस्य शरीक हुईं।

इस दौरान डुमरांव में महिला विकास मंच की इकाई की घोषणा की गई जिसमें पम्मी सिंह के द्वारा सुविधा मिले तथा स्तरीय व उच्च कोटी की फिट मुहैया करवाया जाए तो जिले के वुशू खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय खेलों में भी अपनी खेल प्रतिभा से स्वयं पदक प्राप्त कर सकते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर मेडल प्राप्त करने पर अमीषा को बक्सर वुशू संघ के अध्यक्ष डॉ आशुतोष कुमार सिंह, महासचिव मुकेश कुमार, उपाध्यक्ष डॉ राजेश सिन्हा, संयुक्त सचिव विवेक कुमार, राम रतन पाठक, हेरिटेज स्कूल के निदेशक प्रदीप पाठक एवं राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों ने बधाई दी है।

एक नजर

डुमरांव चैंबर ऑफ कॉमर्स की बैठक संपन्न, 9 जुलाई को होगा कार्यकारिणी का गठन



डुमरांव। रविवार को शहीद पार्क स्थित एक सभागार में डुमरांव चैंबर ऑफ कॉमर्स की एक बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता शत्रुघ्न प्रसाद उर्फ मोहनजी किया। बैठक में व्यास मुनि ओझा आजीवन सदस्य और चेयरमैन संगठन उप समिति बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज मुख्य अतिथि थे। बैठक में सबसे पहले मुख्य अतिथि समेत बैठक में आये सभी सदस्यों का स्वागत और अभिनंदन मोहन किया गया। बैठक में सर्व समिति से निर्णय लिया गया कि 9 जुलाई को फिर बैठक आयोजित की जाएगी जिसमें कार्यकारिणी का गठन होगा। जिसमें सिर्फ चैम्बर ऑफ कॉमर्स के सदस्य ही भाग लेंगे। आज की बैठक में 11 नये लोगों को डुमरांव चैंबर ऑफ कॉमर्स की सदस्यता दिलवाई गई। वहीं व्यवसायियों के ज्वलंत समस्याओं पर चर्चा किया गया तथा उससे निजात दिलाने की मांग की गई। बैठक में कई अन्य विचारों पर भी चर्चा की गई। मौके पर परवेज अख्तर, राजेन्द्र केशरी, रमेश प्रसाद केशरी, श्यामजी प्रसाद, कमल चौरसिया, बंधन वर्मा, छोटेजी, अखिलेश केशरी, अजय गुप्ता, के के गुप्ता, अमरनाथ केशरी समेत कई अन्य सदस्य उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन राजेन्द्र केशरी ने किया।

अतिक्रमण से नावानगर में लग रहा जाम

नावानगर। प्रखंड के स्थानीय बाजार स्थित डुमरांव-बिक्रमगंज हाईवे पर फुटपाथी दुकानदारों के अतिक्रमण से हर रोज वाहनों की जाम लग जाती है। इस कारण इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन अक्सर जाम में फंस जाते हैं। साथ ही इससे लोगों को कार्पा परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसका नजारा रविवार को देखा गया। नावानगर में प्रतिदिन सड़क किनारे सब्जी बाजार लगती है। जिससे सड़क मार्ग संकीर्ण हो गई। ऐसे में दोनों तरफ से वाहन पहुंचे पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। रविवार को शाम में भी दोनों तरफ वाहन पहुंचने से जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। अभी दोनों वाहन किसी तरह किनारे होकर गुजरने की कोशिश कर ही रहे थे कि पल भर में दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई। सड़क को वाहनों से जाम से मुक्त करने में स्थानीय लोग लगे रहे।

अपर सचिव ने रद्द की शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति

बक्सर। शिक्षा विभाग के अपर सचिव ने विभिन्न कार्यालयों में तैनात शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति रद्द कर उन्हें तत्काल अपने मूल विद्यालय में योगदान करने का निर्देश दिया है। अपर सचिव के इस निर्देश के साथ ही शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति रद्द हो गई है। बता दें कि जिले के दर्जनों शिक्षक शैक्षणिक कार्यों से अलग विभिन्न कार्यालयों में प्रतिनियोग पर हैं। उनके नहीं रहने से स्कूलों में शिक्षण व्यवस्था पर असर पड़ रहा है। स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिशन को धरातल पर उतारने के लिए ही अपर मुख्य सचिव ने पत्र जारी कर सभी डीईओ को तत्काल प्रभाव से शिक्षकों को प्रतिनियोजन रद्द कर उन्हें मूल विद्यालय में भेजने का फरमान सुनाया है। आदेश का अनुपालन नहीं करने वाले शिक्षकों पर अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। इसको लेकर प्रतिनियोजन पर जमे शिक्षकों के बीच हड़कंप मच गया है।

32वीं सीनियर राष्ट्रीय वुशू प्रतियोगिता में अमीषा ने कांस्य पदक जीत जिले के नाम किया रोशन

बक्सर। 32वीं सीनियर राष्ट्रीय वुशू प्रतियोगिता 26 जून से 1 जुलाई तक महाराष्ट्र के पुणे जिला में श्री छत्रपति स्पॉर्ट्स कंपलेक्स में आयोजित हुई।



प्रतियोगिता में बिहार के कुल 26 सदस्यीय टीम ने भाग लिया था। जिसमें बक्सर जिला से 7 खिलाड़ियों की सहभागिता रही। जिला के 2 खिलाड़ियों का अच्छा प्रदर्शन रहा। जिसने जिला के महिला खिलाड़ी शन्शु फाईटिंग स्पर्धा में अमीषा कुमारी ने अंडर 48 केजी में कांस्य पदक प्राप्त किया। अमीषा का यह राष्ट्रीय वुशू प्रतियोगिता में तीसरी बार पदक प्राप्त है। पुरुष खिलाड़ी में दिलीप

कुमार ने ताडलू स्टाइंग स्पर्धा में चौथा स्थान प्राप्त किया। दिलीप ने पिछले साल 2022 में 36वें राष्ट्रीय खेलों में जो गुजरात में संपन्न हुआ था उसमें अपनी सहभागिता दिया था। अमीषा कुमारी बक्सर जिला के महर्षि विश्वामित्र कॉलेज की छात्रा है। अमीषा का कहना है कि अगर हमें जिला प्रशासन के द्वारा सुविधा मिले तथा स्तरीय व उच्च कोटी की फिट मुहैया करवाया जाए तो जिले के वुशू खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय खेलों में भी अपनी खेल प्रतिभा से स्वयं पदक प्राप्त कर सकते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर मेडल प्राप्त करने पर अमीषा को बक्सर वुशू संघ के अध्यक्ष डॉ आशुतोष कुमार सिंह, महासचिव मुकेश कुमार, उपाध्यक्ष डॉ राजेश सिन्हा, संयुक्त सचिव विवेक कुमार, राम रतन पाठक, हेरिटेज स्कूल के निदेशक प्रदीप पाठक एवं राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों ने बधाई दी है।



गीता सार

खबरें फटाफट

बीयर की दुकानों का निरीक्षण

मऊ। जिला आबकारी अधिकारी मोहम्मद असलम के निर्देश पर रविवार को आबकारी निरीक्षक सुरेश कुमार मौर्य ने मोहम्मदाबाद गोहना करखे में स्थित देसी अंग्रेजी बीयर की दुकानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान लाइसेंस धारक को सख्त निर्देश दिया कि अवैध शराब कटापि नहीं बिकनी चाहिए तथा किसी भी प्रकार की ओवर रेटिंग की शिकायत पहाई गई तो कठोर कार्रवाई की जाएगी। जांच के दौरान दुकानदारों को सीसीटीवी कैमरा सही रखने, साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इस मौके पर लाइसेंस धारक रमेश चंद यादव समेत अन्य लाइसेंस अपने दुकानों पर तैनात रहे।

मुफ्त दवा का वितरण

मऊ। मोहम्मदाबाद गोहना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतर्गत प्रत्येक रविवार को आयुष्मान भारत आरोग्य मेला के तहत लोक के 4 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर विशेष शिविर का आयोजन किया गया। चिकित्सकों द्वारा अपनी सेवाएं देते हुए चिकित्सकों द्वारा शिविर में 170 मरीजों का परीक्षण कर उन्हें मुफ्त दवाएं दीं। इस मौके पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कराहा समेत चार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर डॉ. आनंद कुमार, डॉक्टर नदीम अहमद, डॉक्टर संजय चौहान आदि चिकित्सकों ने विभिन्न अस्पतालों पर पहुंचकर मरीजों का परीक्षण की गई।

जनरल स्टोर की दुकान से चोरी

सिकंदरपुर। तहसील क्षेत्र के पुरुषोत्तम पट्टी नई बस्ती चट्टी पर बबलू किराना जनरल स्टोर की दुकान में रखा सामानों पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की देररात पुरुषोत्तम पट्टी नई बस्ती चट्टी पर स्थित बबलू किराना स्टोर की दुकान का ताला तोड़ कर उसमें रखे गए इनवर्टर और बैटरी के साथ करीब 4000 के साबुन, 2 पेट्टी रिफाइंड का तेल, 2 पेट्टी सरसों का तेल सहित नगदी लगभग 4500 के आसपास पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया।

बच्चे को बचाने में बाइक सवार दम्पति घायल

रसड़ा। कोतवाली क्षेत्र के रोहना गांव के पास रविवार की सुबह लगभग 10 बजे सड़क पर बच्चे को बचाते समय बाइक पलट गई। जिस पर सवार पति प्रवीं गंभीर रूप से घायल हो गये। बरेसर गाजीपुर थाना क्षेत्र के लोहवा ग्रामनिवासी शंकर शर्मा अपनी पत्नी आशा देवी को लेकर बाइक से रसड़ा आ रहे थे। तभी अचानक पार कर रहे बच्चे को बचाते समय उनकी बाइक पलट गई। जिससे वे दोनों घायल हो गये। दम्पति को रसड़ा अस्पताल लाया गया, जहां उन्हें रेफर कर दिया गया।

खाली हाथ आए और खाली हाथ चले। जो आज तुम्हारा है, कल और किसी का था, परसों किसी और का होगा।

बलिया/गाजीपुर/मऊ

जगह के अभाव में ट्रेन के पायदानों पर बैठ यात्रा कर रहे लोग, जा रही जान

ट्रेन से गिरकर अक्सर जाती है लोगों की जान, बावजूद जारी है सिलसिला

केटी न्यूज/चंदौली

हावड़ा-दिल्ली मेन लाइन पर जितना अधिक ट्रेनों का दबाव है, उतना ही दबाव इस रूट से गुजरने वाली ट्रेनों में यात्रियों का भी है। इसके कारण यात्रियों को ट्रेनों के पायदानों और दरवाजे के पास खड़ा होकर यात्रा करना पड़ता है। खासकर जनरल कोच में यह मजबूरी बन गई है। इसके चलते आए दिन यात्रियों के ट्रेनों से गिरकर

मौत होने की घटना होती है। चलती ट्रेनों से गिरने पर जान गंवाने वाले कुछ यात्रियों को न तो अपनों का कंधा मिल पाता है और न ही ठीक ढंग से कफन और दफन। कारण कि रेल महकमे की ओर से अभी तक स्टेशनों पर ऐसे शवों को रखने के लिए न तो वातानुकूलित मर्चरी हाउस बनवाए जा सके हैं और न ही इलाज से लेकर अंतिम संस्कार करने के लिए दी जाने वाली सरकारी रकम में कोई खास बढ़ोतरी ही की गई है। ऐसी स्थिति में जीआरपी द्वारा हादसे में मिले लावारिस शवों का जैसे-तैसे अंतिम संस्कार किया जाता है।

यात्रियों की छोटी सी चूक बन जाती है जानलेवा : पूर्व मध्य रेलवे



दनापुर मंडल के बक्सर-डीडीयू रेल खंड से गुजरने वाली ट्रेनों में सामान्य डिब्बे में रेल यात्रियों की इतनी भीड़ रहती है कि यात्री रेलवे कोच के दरवाजे पर और पायदान पर बैठकर

गिरकर मौत हो जाती है। बहुत से शवों की शिनाख्त उनके पास से बरामद पहचान पत्र या मोबाइल से तो हो जाती है, जिनकी जीआरपी द्वारा परिजनों से संपर्क कर सूचना दे दी जाती है। लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जिनकी पहचान का कोई आधार नहीं होता। जैसे बदनसीब लावारिस शवों को अपनों का कंधा भी नसीब नहीं हो पाता। जिनका अंतिम संस्कार लावारिस हालत में जीआरपी द्वारा कर दिया जाता है। जीआरपी दिलदारनगर से मिले आंकड़ों के अनुसार जनवरी माह से लेकर जून माह तक लगभग डेढ़ दर्जन यात्री ट्रेन हादसे का शिकार हो चुके हैं। उनमें से छह शवों की शिनाख्त नहीं हो पाये

की दशा में लावारिस हालत अंतिम संस्कार जीआरपी को करना पड़ा। लावारिस शवों की शिनाख्त के लिए जीआरपी करती है प्रयास : दिलदारनगर जीआरपी प्रभारी संतोष कुमार ओझा ने बताया कि लावारिस शवों की शिनाख्त के लिए खासकर ट्रेन से गिरने या कटकर मिले लावारिस शवों का घटनास्थल पर जुटी भीड़ से पहचान का प्रयास किया जाता है। पहचान नहीं होने की दशा में शव को कब्जे में लेकर 72 घंटे तक जिला मुख्यालय स्थित शव गृह में रखकर उसके वारिस के आने का इंतजार किया जाता है। जब कोई दावेदार नहीं आता है तब शव का फोटो खिंचवा कर और उसके पहने

गए कपड़ों को पहचान के लिए सुरक्षित रख लिया जाता है। पोस्टमार्टम कराकर मुजक जिस धर्म से संबंधित होता है उसी रीति रिवाज से अंतिम संस्कार करा दिया जाता है। आगे उन्होंने बतलाया कि लावारिस शव के पोस्टमार्टम से लेकर अंतिम संस्कार तक के लिए रेलवे द्वारा पहले महज एक हजार रूपए आर्थिक मदद का प्रावधान था। जिसे बढ़ाकर अब 5 हजार रूपए कर दिया गया है। किंतु इस कमरतोड़ महंगाई में इतनी रकम भी कम पड़ जाती है तो ऐसी स्थिति में समाजसेवी संगठनों के सहयोग से लावारिस शवों का अंतिम संस्कार कर दिया जाता है।

भाजपा सरकार पर बोला हमला, कहा-पूरा नहीं कर पाते हैं तो क्यों करते हैं वादा

बिजली कटौती के खिलाफ आप ने निकाला लालटेन जुलूस, दी चेतावनी

चार हजार मेगावाट का हो रहा उत्पादन, 27 हजार मेगावाट की है जरूरत

केटी न्यूज/बलिया

आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी सांसद संजय सिंह के आह्वान पर रविवार को प्रदेश के सभी जिलों में बिजली कटौती को लेकर हलालटेन जुलूस निकाला गया। इसी क्रम में बलिया जिला इकाई ने जिलाध्यक्ष सुशांत राज भारत के नेतृत्व में लालटेन जुलूस निकाला। जुलूस में शामिल लोग बलिया शहीद चैक से बलिया रेलवे स्टेशन, मालगोदाम रोड, सिनेमा रोड, आर्य समाज रोड होते हुए पुनः बलिया शहीद चैक पहुंचे। इस दौरान अधोषिक्त बिजली कटौती पर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई।

जिलाध्यक्ष सुशांत राज भारत ने कहा कि प्रदेश में बिजली की



लालटेन जुलूस निकालते आप कार्यकर्ता

अधोषिक्त कटौती हो रही है। जना बिजली कटौती से त्राहिमाम कर रही है। पूरे प्रदेश में बिजली कटौती का संकट लोग झेल रहे हैं। गर्मी की वजह से अस्पतालों में लोग भर्ती हो रहे हैं और मौतें हो रही हैं। अकेले पूर्वांचल में सैकड़ों लोगों की मौतें हो चुकी हैं। अस्पतालों में भर्ती मरीज

गर्मी से बेहाल होकर भाग रहे हैं और गर्मी के कारण तमाम बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। पार्टी की ओर से उन्होंने सरकार से मांग की है कि प्रदेश में निर्बाध बिजली आपूर्ति कराई जाये, जिससे इस भयंकर गर्मी से लोगों को निजात मिल सके और लोगों की मौतें न हों। गर्मी के कारण

मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। 23 हजार मेगावाट बिजली बाहर से खरीदी जा रही है। उसके बावजूद 10 से 12 घंटे की बिजली कटौती होती है। अधोषिक्त बिजली कटौती से लोग बेहद परेशान हैं। बिजली विभाग में वर्तमान में 1 लाख कर्मचारियों की जरूरत है, लेकिन मात्र 34 हजार कर्मचारी बिजली विभाग में कार्यरत हैं। 66 हजार बिजली कर्मचारियों की कमी है, जिसकी वजह से विभाग ठीक से काम नहीं कर पा रहा है। ट्रांसफार्मर जल जा रहे हैं। जगह-जगह तार टूट रहे हैं। कर्मचारियों के अभाव में काम नहीं हो पा रहा है और लोग गर्मी में रहने को मजबूर हैं। लालटेन जुलूस में राजकुमार पांडेय, दुर्गाश कुमार, कवि जी, शक्ति सिंह, लक्ष्मण सिंह, अंकुर साहनी, छोटेलाल चौरसिया, सत्येंद्र नाथ वर्मा, अंजनी तिवारी, उषा राय, अशोक कुमार, जवाहर पासवान, प्रमोद कुमार गुप्ता सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गाजीपुर मिड टाउन होटल में अधिकारियों ने की छापेमारी

उप जिलाधिकारी के नेतृत्व में कई विभागों के अधिकारी अचानक पहुंचे होटल

केटी न्यूज/गाजीपुर

युसुफपुर बाजार स्थित अंसारि परिवार के होटल मिडटाउन में शनिवार की दोपहर उप जिलाधिकारी भारत भागवत के नेतृत्व में कई विभागों के अधिकारियों ने औचक छापेमारी की। इस दौरान होटल के कमरों व कमराजतों की जांच की गई। युसुफपुर बाजार में एक ही साथ कई विभागों के अधिकारियों की गाड़ियों के पहुंचने से हड़कंप मच गया। औचक छापेमारी में राजस्व विभाग, श्रम प्रवर्तन विभाग, नगर पालिका परिषद, विद्युत विभाग, राय कर विभाग, पुलिस व फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग से संबंधित जांच-पड़ताल की। उप जिलाधिकारी भारत भागवत



ने बताया कि होटल की चेकिंग कई विभागों के द्वारा की गई। सबकी रिपोर्ट आने के बाद किसी प्रकार की अनियमितता व कमी पाए जाने पर होटल संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। औचक निरीक्षण के समय उप जिलाधिकारी भारत भागवत, जिला पूर्ति अधिकारी कुमार निर्मलेन्द्र, विद्युत विभाग के एसडीओ सत्यम त्रिपाठी, श्रम प्रवर्तन अधिकारी पंचेश्वरी, राज्य कर अधिकारी दीपक सिंह, अनुल यादव, नगर पालिका परिषद मुहम्मदाबाद के अधिशासी अधिकारी वीरेंद्र कुमार राय, शाहनवा चैकी प्रभारी केपी सिंह व फायर ब्रिगेड के अधिकारी मौजूद रहे।

आईएस बनने के बाद अपने गांव शेरपुर पहुंचे श्रीकेश राय का जोरदार स्वागत

गांव वालों ने कहा-श्रीकेश की उपलब्धि पर गर्व है हम सबों को
निरंतर प्रयासरत रहने से मिलती है कामयाबी : श्रीकेश

केटी न्यूज/गाजीपुर

आईएस बनने के बाद पहली बार अपने गांव शेरपुर कला पहुंचने पर श्रीकेश राय का ग्रामीणों ने फूल-माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। इसके बाद श्रीकेश ने अपने गांव स्थित महावीर मन्दिर, माँ दुर्गा मंदिर और शहीद पार्क में जाकर शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित किया। स्वागत कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि शहीदी धरती की मिट्टी से निकलकर आईएस बनकर श्रीकेश राय ने अपने गांव व जिले का नाम रोशन किया है। बता दें कि श्रीकेश ने यूपीएससी परीक्षा में 457वीं रैंक प्राप्त की थी। इससे पहले श्रीकेश राय का चयन पिछले साल यूपीपीसीएस में हुआ था और 21वां रैंक था। वे उपजिलाधिकारी के पद पर चर्चनित हुए थे। श्रीकेश राय ने कहा कि गांव में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। हर व्यक्ति में प्रतिभा होती है। कोई जरूरी नहीं है कि एक ही प्रयास में हम सफल हो जाएं। हमें निराश हुए बिना निरन्तर प्रयासरत रहना



आईएस बनने के बाद गांव पहुंचे श्रीकेश को सम्मानित करते लोग

चाहिए। कोई भी व्यक्ति तभी असफल होता है, जब वह प्रयास करना बंद कर देता है। बच्चों को अपने संबोधन में कहा कि स्कूल में जब पढ़ाया जाए, तब ध्यान से सुनें, होमवर्क पूरा रखें, लिखकर आईएस बनने की आदात डालें। हिंदी मीडियम में अपने को कमजोर न समझें। अपने ज्ञान को बढ़ाएं। खुद पर भरोसा रखें। यहां की मिट्टी और संस्कृति में सब संभव है। जो चाहे बन सकते हो। इस मौके पर अमितलाल राय, बाला जी राय, मनीष राय, कृष्ण मुरारी राय, आशीष राय सिंद्ध, राघवेंद्र उपाध्याय बुच्च, सानंदन उपाध्याय, बंटी राय, राहुल राय, पीयूष राय, सत्यम राय, पवन यादव, पवन राय, बड़क राय, मंजय प्रजापति, आशु राय, निक्की यादव सहित कई लोग मौजूद रहे।

बाढ़ कटान और सुरक्षा कार्य के प्रति सरकार संवेदनशील: मस्त

50 नाविकों और गोताखोरों में सांसद ने बांटे सेफ्टी किट

अधिकारियों को कहा-बाढ़ से पहले पूरी कर लें सारी तैयारी

केटी न्यूज/वैरिया

प्रदेश की योगी सरकार बाढ़ से निपटने की पूरी तैयारी में जुट गई है। रविवार को तहसील सभागार में बाढ़ से बचाव को लेकर सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त व एसडीएम आर्ये मिश्र ने 50 नाविकों व गोताखोरों में सेफ्टी किट वितरित किया। इसमें लाइफ जैकेट, टॉर्च, 10 किशा रस्सी, एक पतवार और एक बांस शामिल है।

मुख्य अतिथि सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने कहा कि ऐसा पहली बार हो रहा है कि नदियों में नाव चलाने वाले नाविकों की चिंता सरकार ने की है



सेफ्टी किट वितरित करते सांसद

और उनकी सुरक्षा के लिए निःशुल्क सेफ्टी किट वितरण का निर्णय लिया है। सांसद ने कहा कि बाढ़ कटान

और सुरक्षा कार्य के प्रति सरकार संवेदनशील है। अर्शल में ही बाढ़ व कटान रोधी कार्य शुरू हो चुका था।

एक सप्ताह में सभी जगहों पर बाढ़ कटान से संबंधित सारी तैयारियां पूरी हो जाएंगी। सांसद ने कहा कि

जलजमाव वाले क्षेत्रों में किसानों को मछली पालन करना चाहिए। इसके लिए मत्स्य पालन विभाग बीज व बाजार दोनों उपलब्ध कराएगा। कहा कि शनिवार को गंगा में दो लाख मछलियों का बीज भी छोड़ा गया है। मछली पालन के लिए मत्स्य पालन विभाग से संपर्क करने की आवश्यकता है, जहां कोई परेशानी हो तो संबंधित एसडीएम व खंड विकास अधिकारी से किसान संपर्क करें। तब भी कोई दिक्कत हो तो मुझसे संपर्क कर सकते हैं। तत्काल समाधान किया जाएगा। कहा कि प्रदेश सरकार सबका साथ सबका विकास करने के लिए तत्पर है। बिना किसी भेदभाव के भाजपा सरकार सबका साथ देती है। इस

बार भी बाढ़ आने से पूर्व ही सरकार पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि जहां-जहां कटानरोधी कार्य चल रहा है, वहां के ठेकेदारों को निर्देश दिया गया है, यथाशीघ्र काम पूरा करें। वहीं उन्होंने बाढ़ विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिया कि वे तत्काल अपने यहां जरूरी सामानों की खेप बढ़ा लें। बाढ़ के समय कोई बहाना इस बार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर नायब तहसीलदार अजय सिंह, राजेश यादव, ब्लाक प्रमुख मुरली छपरा कन्हैया सिंह, श्यामसुंदर उपाध्याय, हरि कंचन सिंह तथा राजस्व विभाग के राजस्व निरीक्षक अभयवर्ष पाण्डेय सहित लेखपाल उपस्थित रहे।

एक नजर

गुरु पूर्णिमा को लेकर गोष्ठी का आयोजन

गाजीपुर। हर साल की तरह इस बार भी सोमवार को मरदह ब्लाक के बहलोलपुर वृद्धी पूर्वाह्न नौ बजे गुरुपूर्णिमा के अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया है। जिसमें सभी क्षेत्रीय गायक, गायिका, कविगण एवं सम्मानित आम जनमानस की उपस्थिति अनिवार्य है। इसकी जानकारी लोकगीत गायक कलाकार राजेन्द्र राजभर ने दिया। इसी क्रम में क्षेत्र के? बेलसड़ी गांव स्थित सीतादास आश्रम के परिसर में गुरु पूर्णिमा के मौके पर गुरु पूजन उत्सव, भजन-किर्तन व प्रवचन का आयोजन किया गया है। जिसमें सभी शिष्यों की मौजूदगी अनिवार्य है। इसकी जानकारी मनोज निर्मल ने दी है।

सपा के मरदह ब्लाक अध्यक्ष बने कैलाश यादव

गाजीपुर। समाजवादी पार्टी के मरदह ब्लाक अध्यक्ष पद पर डोड़सर गांव निवासी कैलाश यादव का मनोनयन किया गया है। कैलाश यादव के मनोनयन पर पार्टी कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है। मरदह स्थित सपा कार्यालय पर एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें वक्ताओं ने कहा कि नमिनयुक्त ब्लाक अध्यक्ष के मनोनयन पर पार्टी मजबूत होगी। कार्यकर्ता नए जोश एवं उत्साह के साथ कार्य करेंगे। इस अवसर पर महेन्द्र चौहान, अवधेश यादव, राजीव यादव राजू, रामकरन यादव, चंद्रशेखर यादव, विनोद यादव, उपेन्द्र यादव आदि मौजूद रहे।

विद्युत विभाग द्वारा ठीक कराए गए विद्युत तार

गाजीपुर। मरदह विद्युत सब-स्टेशन के अवर अभियंता एसके ओझा एवं बिरनो सब-स्टेशन के अवर अभियंता मिथिलेश यादव के नेतृत्व में विद्युत कर्मियों की टीम ने पेड़ों के पास से गुजर रहे एवं जगह-जगह पर लटक रहे 33 हजार वोल्टेज के मेन सप्लाई के तारों को ठीक करने के साथ ही पास के पेड़ों की छाटाई कर विद्युत तार दुरुस्त किया गया। अवर अभियंता एसके ओझा ने बताया कि सावन माह में निर्विघ्न विद्युत आपूर्ति के लिए तार ठीक कराए गए हैं।

एडीओ पंचायत को दी गई भावभीनी विदाई

सिकंदरपुर। पंदह ब्लॉक के डवाकरा हॉल में विदाई समारोह आयोजित किया गया। जिसमें पिछले करीब दो साल से ब्लॉक पर बतौर एडीओ पंचायत सेवा दे रहे प्रेमनाथ राम के सेवानिवृत्त होने पर विदाई दी गई। ब्लॉक प्रमुख राघवेंद्र कुमार यदुवंशी और बीडीओ दीपक सिंह ने प्रेमनाथ राम के कार्य प्राणली की तारीफ करते हुए कहा कि अपने सद्भावहार और सौम्य व्यक्तित्व के लिए जाने जाने वाले प्रेमनाथ राम की कमी सदैव खलेगी। कार्यालयीय कार्य से लगायत क्षेत्रीय तहसीलों को बड़ी ही सहजता से पूरा करने वाले ऐसे अधिकारियों से अन्य कर्मचारियों को प्रेरणा लेना चाहिए। नौकरी के दौरान अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठावान रहने वाले ऐसे अधिकारी विरले ही मिलते हैं। इस दौरान उन्हें अंगवस्त्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। मौके पर एडीओ सहकारिता सूर्यकाय यादव, प्रधान संघ के ब्लॉक अध्यक्ष जितेंद्र यादव, पंचायत सहायक अध्यक्ष कृष्ण सिंह, सुशील कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

बारिश के कारण बिजली गुल, बढ़ी परेशानी

बिन्धरारोड। तीन दिन से हो रही बारिश के कारण नगर में बिजली आपूर्ति पूरी तरह से पटरी हो गई है। नगर से लेकर गांव तक की बिजली गुल है। जिससे भीषण गर्मी और उमस से लोग परेशान हो गए हैं। साथ ही पीने के पानी के लिए लोग जलकल झेल रहे हैं। अवाया विद्युत केंद्र पर आई तकनीकी गड़बड़ी के कारण 20 घंटे से नगर की मंडीए नगर पंप कैनाल और तहसील फीडर पूरी तरह से बंद हो गई। जिससे विद्युत आपूर्ति पूरी तरह से बंद है। अवाया विद्युत उपकेंद्र के जेई हरि प्रताप प्रजापति ने बताया कि उपकेंद्र की ट्रांली में शॉर्ट सर्किट हुआ है। तेज आवाज के साथ बस कॉन्ट्रोल जल गया और स्पाउट फट गया। जिसे दुरुस्त कराया जा रहा है। हर हाल में रविवार के देर शाम से विद्युत आपूर्ति बहाल हो जायेगी।

श्रावण में प्रत्येक व्यक्ति से पौधा लगाने की अपील

मऊ। मोहम्मदाबाद गोहना नगर पंचायत के मोहल्ला सैदपुर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में रविवार को जायसवाल समाज के पदाधिकारियों की एक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए तहसील अध्यक्ष प्रेमचंद जायसवाल मास्टर साहब ने सावन मास में जायसवाल समाज द्वारा श्रावणी पूजा प्रसाद वितरण एवं भंडारा का कार्यक्रम होने को लेकर एक रूपरेखा तैयार करने पर जोर दिया। बैठक में समाज के लोगों को एकजुट होकर सावन के महीने में गरीब असहाय की मदद करने की अपील किया गया कि अगर प्रत्येक व्यक्ति अपने हाथों से पौधे लगाते हैं तो यही पौधे आगे चलकर हमारी यादगार के साथ शुद्ध हवा तथा ऑक्सीजन प्रदान करेंगे।

बिजली की चपेट में आकर युवक गंभीर

रसड़ा। क्षेत्र के फतेपुर ग्रामवासी थाना क्षेत्र फेफना के वशिष्ठ यादव का पुत्र रोहित यादव 20 रविवार की सुबह 10 बजे बिजली की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। युवक सुबह लुशुका करने घर से बाहर गया हुआ था कि वह विद्युत पोल से टकरा गया। बरसात के चलते पोल में पोल में विद्युत प्रवाहित हो रहा था, जिसकी चपेट में आने से युवक गंभीर हो गया।

रेलवे तहबाजारी की आड़ में अवैध वसूली करने वाला गिरफ्तार

केटी न्यूज/गाजीपुर। रेलवे सुरक्षा बल गाजीपुर सिटी के प्रभारी अमित कुमार राय ने मुंबई की सूचना पर रेलवे स्टेशन युसुफपुर परिसर में अवैध रूप से तहबाजारी वसूलने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। उसकी पहचान मुहम्मद इसराफिल ऊर्फ मोती पुत्र सहादत अली निवासी नवापुरवा थाना मुहम्मदाबाद गाजीपुर के रूप में हुई है। इसके पास से 19 रेलवे टिकट बरामद हुए। इसराफिल के सॉफ्टवेयर हैकर कर्ताक ईल रेलवे टिकट बिकाने वाले एक बड़े स्तर के राष्ट्रीय स्तर के गैंग के साथ जुड़ने के भी साक्ष्य मिले हैं। यह प्रति टिकट 1500 से 2000 रुपया लागत मुज्य से अतिरिक्त लेता था। बरामद टिकटों में मुंबई के टिकट ज्यादा हैं।

